भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 16 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) दक्षिण छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों पर निम्न दबाव का क्षेत्र। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने, धीरे-धीरे कमजोर होने और 18 अगस्त की सुबह एक अवशिष्ट चक्रवाती परिसंचरण के रूप में गुजरात पहुँचने की संभावना है।

ii) अगले 7 दिनों के दौरान गोवा, महाराष्ट्र (मुंबई सहित), गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा, 16-19 तारीख के दौरान कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र में अत्यधिक भारी वर्षा, 16 और 18-20 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र; 19 और 20 अगस्त को सौराष्ट्र में अत्यधिक सक्रियता के साथ 16, 19 और 20 अगस्त को वर्षा जारी रहने की संभावना है।

iii) अगले 4-5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 16 और 17 तारीख को तेलंगाना में अत्यधिक भारी वर्षा, 18 और 19 तारीख को तटीय कर्नाटक, 18 अगस्त को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में वर्षा होने की संभावना है।

iv) 18 अगस्त के आसपास ओडिशा तट से दूर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे पूर्वी और मध्य भारत में वर्षा की गतिविधि बढ़ जाएगी।

पिछले 24 घंटों में 16 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- कोंकण (मुंबई सहित) और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- तमिलनाडु, केरल, हिमाचल प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- जम्मू, उत्तराखंड, राजस्थान, दक्षिण हरियाणा, तटीय आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा, गुजरात क्षेत्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर चल रही है।
- कल दक्षिण ओडिशा और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र आज, 16 अगस्त 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार दक्षिण छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों पर बना हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर होने तथा एक अवशिष्ट चक्रवाती परिसंचरण के रूप में 18 अगस्त की सुबह के आसपास गुजरात पहुँचने की संभावना है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर जम्मू-कश्मीर पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे दक्षिण गुजरात-कोंकण-गोवा पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण छत्तीसगढ़ पर निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़ा एक द्रोणिका उत्तर-पूर्व अरब सागर से ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण तक बना हुआ है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है।
- ❖ 18 अगस्त 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे पूर्वी और मध्य भारत में वर्षा की गतिविधि बढ़ जाएगी।

पश्चिम भारत:

- ✓ 16-19 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों; 16 और 18-20 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र; 19 और 20 अगस्त को सौराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान मध्य महाराष्ट्र, कोंकण (मुंबई सहित) और गोवा, गुजरात राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 16-19 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा में।
- ✓ 20 अगस्त तक इस क्षेत्र में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ✓ 16 और 17 अगस्त को तेलंगाना; 18 और 19 अगस्त को तटीय कर्नाटक; 18 अगस्त को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 16 और 17 को तमिलनाडु में; 16-19 के दौरान आंतरिक कर्नाटक में; 16 को रायलसीमा में; 16-20 अगस्त के दौरान केरल और माहे में; 16 को तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 18 और 19 को तेलंगाना में; 16-19 के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल में; 16 और 17 अगस्त को तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में।
- ✓ 19 अगस्त तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान रायलसीमा, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में गरज और बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- ✓ 16 अगस्त को दक्षिण विदर्भ और 18 अगस्त को पश्चिम मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 16-19 तारीख के दौरान विदर्भ, ओडिशा; 16 और 17 तारीख को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 17, 21 और 22 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 20-22 तारीख के दौरान बिहार; 19, 21 और 22 अगस्त को झारखंड; 16, 17, 21 और 22 तारीख को पश्चिम मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा; 21 और 22 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश; 17 तारीख को विदर्भ; 18 और 19 अगस्त को ओडिशा, दक्षिण छत्तीसगढ़।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 16-20 तारीख के दौरान हिमाचल प्रदेश, 18 और 19 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर; 16-19 तारीख के दौरान पंजाब; 16-18 तारीख के दौरान हरियाणा; 16 और 22 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, 21 और 22 तारीख को पूर्वी उत्तर प्रदेश; 19-22

अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 16 और 17 तारीख को उत्तराखंड में बहुत भारी वर्षा; 19, 21 और 22 अगस्त को पूर्वी राजस्थान।

- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और राजस्थान में अधिकांश/कई स्थानों पर गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है; 16 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश और 19-22 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में 16 अगस्त को और 19-21 अगस्त के दौरान बहुत भारी वर्षा; 20-22 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय में।
- ✓ अगले 3 दिनों के दौरान कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 16 अगस्त से 21 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

अरब सागर:

16 से 21 अगस्त के दौरान पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश भाग और पूर्व-मध्य एवं दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के आसपास के क्षेत्र, गुजरात तट के साथ और उसके आसपास, सोमालिया, यमन और ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में; 16 से 20 अगस्त के दौरान कोमोरिन क्षेत्र में; लक्षद्वीप क्षेत्र में; 16 से 19 अगस्त के दौरान कोंकण, गोवा, कर्नाटक-केरल तटों के साथ-साथ।

बंगाल की खाड़ी:

श्रीलंका तट के साथ-साथ; मध्य, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भागों में; 16 से 21 अगस्त के दौरान उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ भागों में; 16 अगस्त और 18 से 21 अगस्त के दौरान आंध्र प्रदेश और ओडिशा तटों के साथ-साथ; 16 से 20 अगस्त के दौरान मन्नार की खाड़ी, अंडमान सागर के ऊपर और 16 और 17 अगस्त को दक्षिण तमिलनाडु तट के साथ-साथ और 18 से 20 अगस्त के दौरान पूरे तमिलनाडु तट पर।

ii. 16 से 19 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- कोंकण और गोवा: सांताक्रूज़ (जिला मुंबई उपनगरीय) 24; सवार्दे-अर्ग (जिला रत्नागिरी) 23; चिपलून (जिला रत्नागिरी) 22; कुडाल (जिला सिंधुदुर्ग) 18; मंडनगढ़ (जिला रत्नागिरी), म्हासला (जिला रायगढ़), पालघर एआरजी (जिला पालघर) 16 प्रत्येक; दापोली एआरजी (जिला रत्नागिरी) 15; पनवेल एआरजी (जिला रायगढ़), गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी) 14 प्रत्येक; श्रीवर्धन (जिला रायगढ़), पोलादपुर (जिला रायगढ़) 13 प्रत्येक; टीबीआईए आईएमडी अंशकालिक (जिला ठाणे), वाकवाली एआरजी (जिला रत्नागिरी) 12 प्रत्येक; वैभववाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), वसई (जिला पालघर) 11 प्रत्येक; मालवन (जिला सिंधुदुर्ग), मुल्दे एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग) 10 प्रत्येक; माथेरान (जिला रायगढ़), कोलाबा (जिला मुंबई शहर), अवलेगांव - एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), महाड (जिला रायगढ़), उरण (जिला रायगढ़), संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरी) 8 प्रत्येक; हरनाई आईएमडी (जिला रत्नागिरी), कर्जत एआरजी (जिला रायगढ़), सावंतवाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), खालापुर (जिला रायगढ़) 7 प्रत्येक;
- तेलंगाना: गोविंदरावपेट (जिला मुलुगु) 22, कोटापल्ले (जिला मंचेरियल) 16, सारंगापुर (जिला जगतियाल) 12, नल्लाबेल्ली (जिला वारंगल) 11, वेंकटपुरम (जिला मुलुगु) 11, वेमनपल्ले (जिला मंचेरियल) 11, मुलुग (जिला मुलुगु) 11, नरसापुर (जिला मेडक) 11, मुथारम महादेवपुर (जिला जे. भूपालपल्ली) 11, वेंकटपुर (जिला मुलुगु) 10, अर्स_बसंतपुर(ए) (जिला मेडक) 10,
- मध्य महाराष्ट्र: दहीगांव - एफएमओ (जिला जलगांव) 20; महाबलेश्वर (जिला सतारा) 14; गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर), लोनावाला एआरजी (जिला पुणे) 13 प्रत्येक; राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 12; नंदगांव (जिला नासिक) 10; एरंडोल (जिला जलगांव), धरणगांव (जिला जलगांव) 9 प्रत्येक; पचोरा (जिला जलगांव), गिरनादम - एफएमओ (जिला नासिक) 7 प्रत्येक;
- हिमाचल प्रदेश: नैना देवी (जिला बिलासपुर) 16; पालमपुर (जिला कांगड़ा) 10; पंडोह (जिला मंडी) 7;
- तमिलनाडु: चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 16; वलपराई पीटीओ (जिला कोयंबटूर) 14; उपासी टी रिसर्च एडब्ल्यूएस (जिला कोयंबटूर), शोलायार (जिला कोयंबटूर), सिनकोना (जिला कोयंबटूर) 12 प्रत्येक; वालपराई तालुक कार्यालय (जिला कोयंबटूर), एवलांच (जिला नीलगिरी), वालपराई पैप (जिला कोयंबटूर) 10 प्रत्येक
- केरल: वेल्लानिक्कारा (जिला त्रिशूर) 15; पीची एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) 13; लोअर शोलेयार एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) 12; पीरमेड टू (जिला इडुक्की), अय्यनकुन्नु एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 11 प्रत्येक; मुन्नार केसेब (जिला इडुक्की), कुन्नमकुलम (जिला त्रिशूर), विलंगनकुन्नु एआरजी (जिला त्रिशूर), मंगलम बांध एडब्ल्यूएस (जिला पलक्कड़) 10 प्रत्येक; अंगदिपुरम (जिला मलप्पुरम), इदमालयार बांध एडब्ल्यूएस (जिला एर्नाकुलम) 9 प्रत्येक;
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 14; कम्मारडी (जिला चिक्कमगलुरु) 10; श्रृंगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलुरु) 9; कोप्पा (जिला चिक्कमगलुरु), भागमंडला (जिला कोडागु) 7 प्रत्येक;
- पश्चिम मध्य प्रदेश: सैलाना (जिला रतलाम) 14; खाचरौद (जिला उज्जैन) 12; सेंधवा (मध्यप्रदेश) (जिला बड़वानी), मनावर (जिला धार) 9 प्रत्येक; भानपुरा (जिला मंदसौर), वारला (जिला बड़वानी) 8 प्रत्येक; बड़वानी (जिला बड़वानी), देपालपुर (जिला इंदौर), चाचरियापति (जिला बड़वानी), पचोर (जिला राजगढ़) 7 प्रत्येक;
- विदर्भ: सिरोंचा (जिला गढ़चिरौली) 12; अहिरी (जिला गढ़चिरौली) 9;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: पांढुर्णा (जिला छिंदवाड़ा) 12; लखनादौन (जिला सिवनी) 8;
- त्रिपुरा: गोकुलपुर एडब्ल्यूएस (जिला गोमती) 11; छामोनू (जिला धलाई), केवीके धलाई (जिला धलाई) 9 प्रत्येक;
- कोलासिब एडब्ल्यूएस (जिला कोलासिब) 8; आशापारा एडब्ल्यूएस (जिला उत्तरी त्रिपुरा) 7;
- उत्तराखंड: ऋषिकेश (जिला देहरादून) 11; लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 9; सामा (जिला बागेश्वर), नरेंद्रनगर (जिला गढ़वाल टिहरी) 7 प्रत्येक;
- छत्तीसगढ़: छोटेडोंगर (जिला नारायणपुर) 11; दरभा (जिला बस्तर), पोंडी बचरा (जिला कोरिया) 8 प्रत्येक; सुकमा (जिला सुकमा), बारसूर (जिला दंतेवाड़ा) 7 प्रत्येक;
- मराठवाड़ा: कंधार (जिला नांदेड़) 11; किनवट (जिला नांदेड़) 10; हिमायतनगर (जिला नांदेड़) 8;
- तटीय कर्नाटक: गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 10; सिद्दपुरा (जिला उडुपी) 8; धर्मस्थल (जिला दक्षिण कन्नड़) 7;
- जम्मू-कश्मीर: उधमपुर (आईएएफ) (जिला उधमपुर) 10;
- ओडिशा: बारी (जिला जाजपुर), बिंझारपुर (जिला जाजपुर) 8 प्रत्येक; कोटपाड़ (जिला कोरापुट) 7;
- सौराष्ट्र और कच्छ: थानगढ़ (जिला सुरेंद्रनगर) 8;
- हरियाणा मेवात नूह एडब्ल्यूएस (जिला नूह) 8;
- गुजरात क्षेत्र: कपडवंज (जिला खेड़ा) 7;
- पूर्वी राजस्थान: गोगुंदा एसआर (जिला उदयपुर) 7;
- पश्चिमी राजस्थान: बाली (जिला पाली) 7;
- तटीय आंध्र प्रदेश: कुकुनूर (जिला एलुरु) 7.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	16- Aug	17- Aug	18- Aug	19- Aug	20- Aug	21- Aug	22- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	WS	FWS	SCT	FWS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
7	ODISHA	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	FWS	WS	WS	ISOL	ISOL	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
25	MARATHWADA	WS	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
29	TELANGANA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

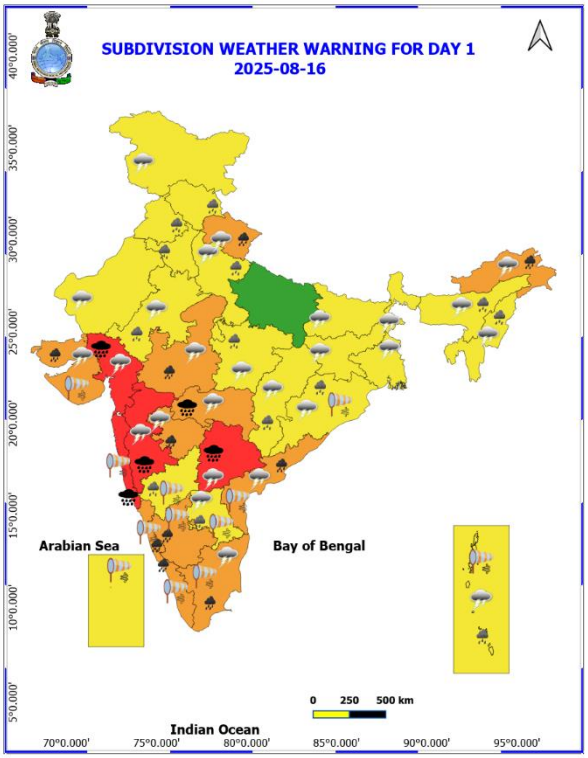
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

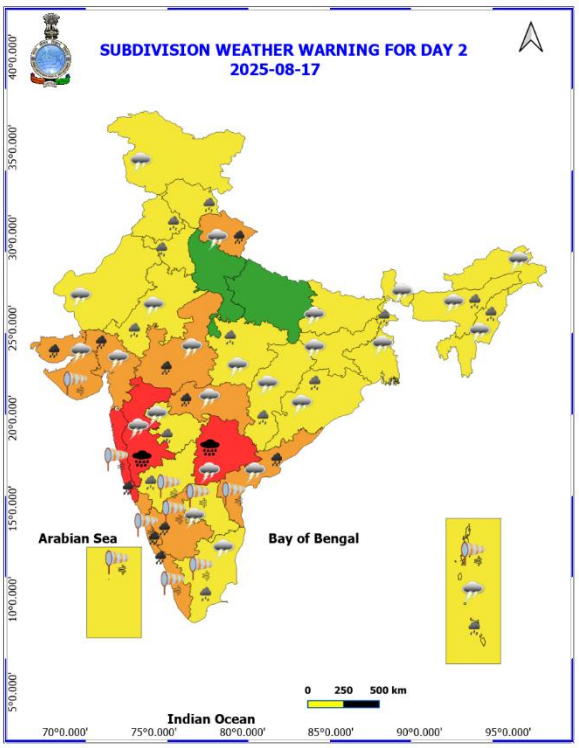
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

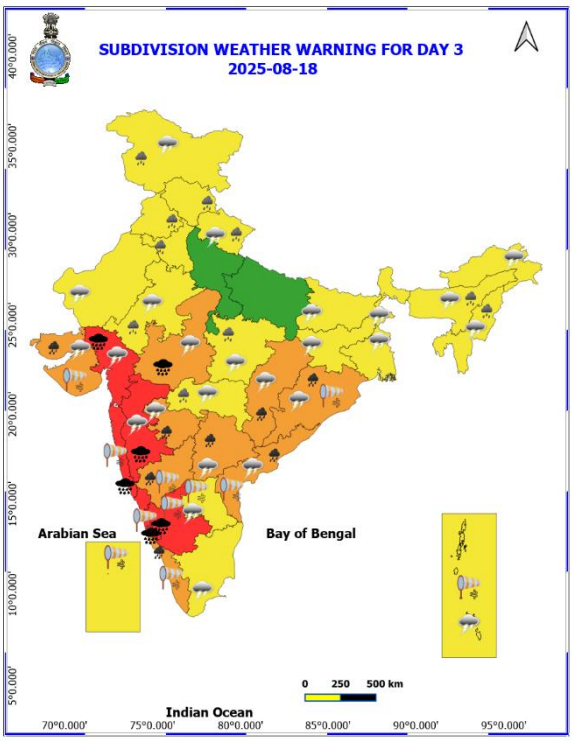
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

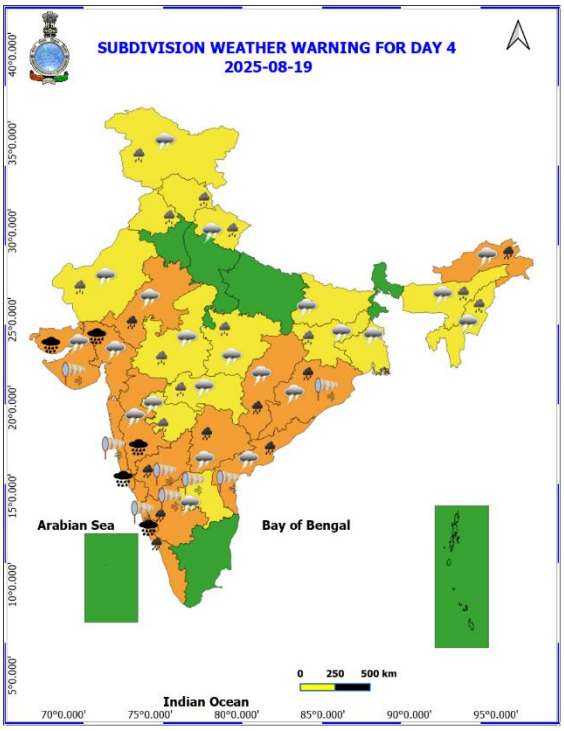

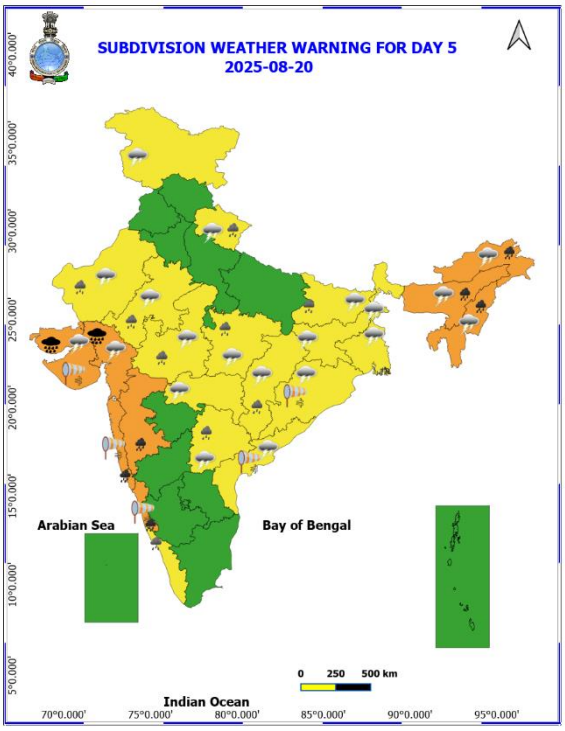

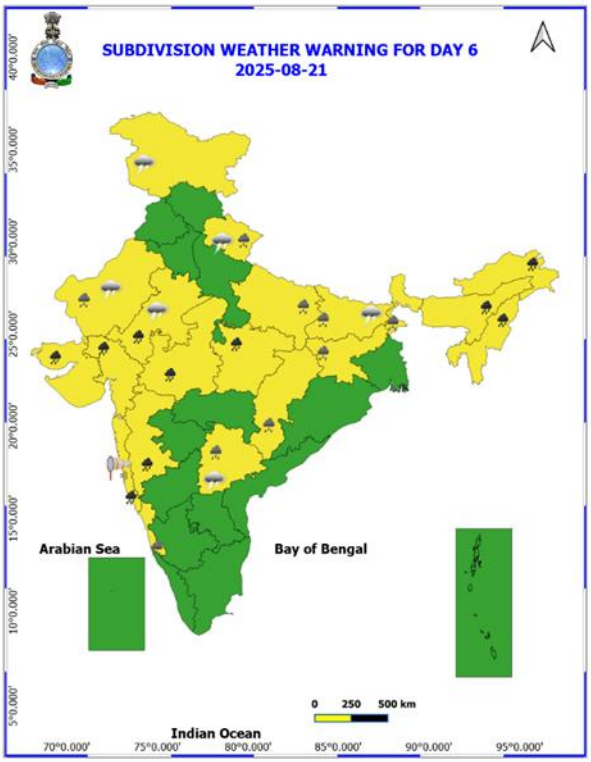

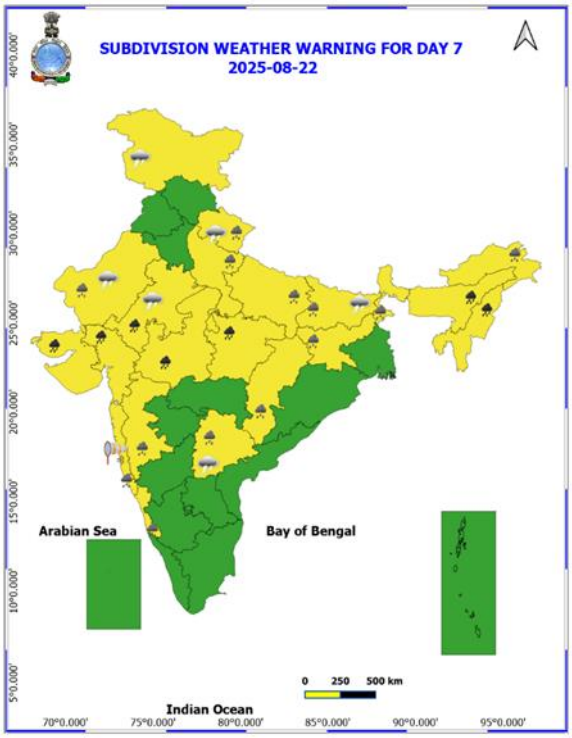

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

16 अगस्त से 19 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में 1-4°C की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। न्यूनतम तापमान 23-27°C और अधिकतम तापमान 29-31°C के बीच रहा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C कम रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 12 किमी प्रति घंटे की गति से दक्षिण-पूर्वी हवाएँ चलीं। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में मयूर विहार में सबसे अधिक 54.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज दोपहर में इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने के साथ आमतौर पर बादल छाए रहे।

मौसम पूर्वानुमान:

16.08.2025: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के दौरान कई स्थानों पर एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना है। रात/सुबह हल्की बारिश का एक और दौर होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 5-10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 5-10 किमी प्रति घंटे तक रहेगी।

17.08.2025: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब और न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक सामान्य से नीचे रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम से रात तक हवा की गति पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

18.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब और न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 5-10 किमी प्रति घंटे तक रहेगी। शाम और रात में पूर्व दिशा से हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटे तक रहने की संभावना है।

19.08.2025: बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 5-10 किमी प्रति घंटे तक रहेगी। शाम और रात में पूर्व दिशा से हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटे तक रहने की संभावना है।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 16 से 19 तारीख के दौरान कोंकण और गोवा; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 16 और 18 से 20 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र; 19 और 20 तारीख को सौराष्ट्र; 16 और 17 तारीख को तेलंगाना; 18 और 19 तारीख को तटीय कर्नाटक; 18 को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, पश्चिम मध्य प्रदेश; 16 अगस्त को दक्षिण विदर्भ में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 16 तारीख को तमिलनाडु; 18 और 19 तारीख को तेलंगाना, ओडिशा, दक्षिण छत्तीसगढ़; 16-19 तारीख के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल; 16 और 17 तारीख को तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, उत्तराखंड; 16, 17, 21 और 22 तारीख को पश्चिम मध्य प्रदेश; 21 और 22 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश; 17 19, 21 और 22 अगस्त को पूर्वी राजस्थान, 19-21 अगस्त के दौरान 16 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश, 20-22 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- **महाराष्ट्र** में, **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** तथा **कोंकण** में धान के खेतों में 2.5 से 5 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखते हुए खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। **मराठवाड़ा** में, परिपक्व मूंग की कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। जलभराव से बचाव हेतु, **कोंकण** में रागी, हल्दी, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में मक्का, मूंगफली, सोयाबीन एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; **मराठवाड़ा** में मूंगफली, उड़द, मूंग, सोयाबीन, कपास, अरहर, बाजरा, हल्दी, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; **पश्चिम विदर्भ** में सोयाबीन और कपास के खेतों से तथा **पूर्व विदर्भ** में धान, सोयाबीन, कपास, अरहर एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक प्रावधान करें।
- **गुजरात** में, **दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र** में धान, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों के खेतों से; **दक्षिण गुजरात क्षेत्र** में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों से; **दक्षिण सौराष्ट्र क्षेत्र** में मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और अरहर के खेतों से; **उत्तर सौराष्ट्र क्षेत्र** में मूंगफली, कपास और तिल के खेतों से तथा **भाल और तटीय क्षेत्र** में धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की उचित व्यवस्था करें।
- **मध्य प्रदेश** में, **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों में; **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जियों के खेतों में तथा **विंध्य पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, उड़द, कपास और अरहर के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

- **छत्तीसगढ़** में, **बस्तर पठार क्षेत्र** में खरीफ मक्का, धान, लघु अनाज, दालों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **तेलंगाना** में, **उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र** में धान, कपास, मक्का, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों से तथा **दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र** में धान, कपास, सोयाबीन, सब्जियों के खेतों और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **आंध्र प्रदेश** में, **उत्तरी तटीय क्षेत्र** में मक्का, कपास, गन्ना, धान, मेस्ता, अरहर, मूंग, उड़द और मूंगफली के खेतों से तथा **उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **कर्नाटक** में, **तटीय क्षेत्र** में धान के खेतों एवं सुपारी और केले के बागानों में; **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में तथा **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में धान एवं मक्का के खेतों तथा सुपारी और नारियल के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा प्रदान करें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में मूंग, उड़द, गन्ना, मूंगफली, तिल और सब्ज़ियों के खेतों में और **पहाड़ी क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का, दालों, रागी, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में, भारी वर्षा बंद होने तक मूंग की बुवाई स्थगित रखें। बाजरा, रागी और पहले से बोई गई मूंग की फ़सल से अतिरिक्त जल की निकासी सुनिश्चित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श (आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

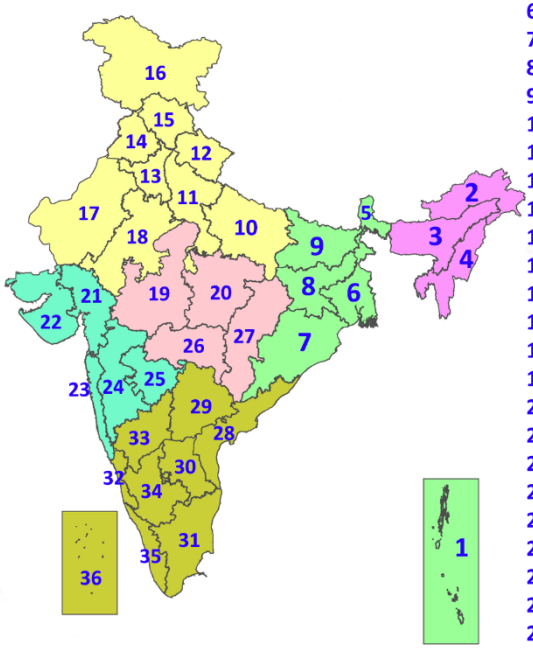

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)